BPYG-171

कलास्नातक

सत्रीय कार्य- 2021-22

BPYG-171

अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र

(Applied Ethics)

अंतर विषयक एवं परा-विषयक अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली- 110068

BPYG-171: अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र

अध्यापक कृत मूल्यांकन सत्रीय कार्य

(Teacher Marked Assignment)

प्रिय छात्र,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः 1) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और 2) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत भारांक निर्धारित है। जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत भारांक। 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य हेतु पूर्णांक 100 है, जिसका मूल्यांकन में भारांक 30 प्रतिशत है। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में धर्म दर्शन हेतु सत्रीय कार्य है, जोकि जेनेरिक कोर्स है।

सत्रीय कार्य में दीर्घ-उत्तरीय, लघु-उत्तरीय एवं लघु टिप्पणी से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रमदर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की निर्धारित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन-कौशल में सुधार होगा तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए सक्षम महसूस करेंगे।

जमा करनाः जैसा कि कार्यक्रम-दर्शिका में उल्लेख किया गया है, सत्रांत परीक्षा में पात्रता हेतु आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें|

सत्र	जमा करने की अन्तिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2021 हेतु	30 अप्रैल, 2022	अपने अध्ययन क्रेन्द्र के संचालक के पास।
जनवरी 2022 हेतु	31 अक्टूबर, 2022	अपने अध्ययन क्रेन्द्र के संचालक के पास।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की पावती (रसीद) अपने अध्ययन केन्द्र से अवश्य प्राप्त करें, एवं उस रसीद को संभालकर रखें। सत्रीय कार्य की एक प्रतिलिपि (फोटोकॉपी) भी अपने पास सुरक्षित रखें।

मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र/क्षेत्रीय केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन पश्चात् प्राप्त करने हेतु अपने अध्ययन केन्द्र/क्षेत्रीय केन्द्र से आग्रह करें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजेगा।

शुभकामनाओं सहित,

अंतर विषयक एवं परा-विषयक अध्ययन विद्यापीठ

BPYG-171:अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र

(अध्यापककृत मूल्यांकन सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड: BPYG-**171**

सत्रीय कार्य कोड: BPYG-171/ASST/TMA/2021-22

अधिकतम अंक: 100

असाइन्मेन्ट, बीपीवाईजी- 171 अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र
(जेनेरिक कोर्स)
Assignment
BPYG-171 Applied Ethics
(Generic Course)

नोट:

1. सभी पांच प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्न क्रमांक 1 और 2 के उत्तर **लगभग 400-400 शब्दों** में दीजिए।

1. मानकीय/नियामक नीतिशास्त्रीय सिद्धान्तों के तकनीकि के क्षेत्र में अनुप्रयोग में क्या बड़ी समस्याएं हैं? विशद वर्णन कीजिए। 20

अथवा

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20

अ) 'है-होना चाहिए' रिक्तता ("is-ought gap")

आ) जैवचिकित्सीय नीतिशास्त्र के इतिहास में हिप्पोक्रेटिक विचार का महत्व

2. पशु अधिकार के सन्दर्भ में पीटर सिंगर के वरीय उपयोगितावाद (preference utilitarianism) की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए। 20

अथवा

निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए, 10+10= 20

अ) आतंकवाद के पर्यावरणीय प्रतिफल

आ) संव्यवसाय (profession) में नैतिकता की भूमिका

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का उत्तर **लगभग 200-200 शब्दों** में दीजिए। 2*10= 20

अ) जैवनीतिशास्त्र के मुख्य मुद्दों पर टिप्पणी लिखिए। 10

आ) जैव-केन्द्रित नीतिशास्त्र (biocentric ethics) की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 10

इ) व्यक्तिपन (personhood) के विचार को परिभाषित करने के विभिन्न तरीके कौन से हैं? और ये विचार गर्भपात की बहस को कैसे प्रभावित करते हैं? 10

ई) चिकित्सीय नीतिशास्त्र के मामले में सिद्धान्तों के मध्य संघर्ष/विरोध को कैसे सुलझायेंगे? सोदाहरण चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार का उत्तर **लगभग 150-150 शब्दों** में दीजिए। 4*5= 20

अ) आत्महत्या के विरोध में इमानुएल काण्ट ने क्या युक्तियां प्रस्तुत कीं? 5

आ) दण्ड सम्बन्धी प्रतिकारात्मक (retributive) और परिणामवादी (consequentialist) दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए। 5

इ) स्थानापन्न मातृत्व/किराये की कोख (सरोगेसी) क्या है? सरोगेसी के सम्बन्ध में कुछ युक्तियां प्रस्तुत कीजिए। 5

ई) मीडिया और समाज किस तरह अन्तर्सम्बन्धित हैं? संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5

उ) न्याय और नैतिकता के मध्य सम्बन्ध पर टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) मृत्युदण्ड के विरुद्ध युक्तियों का संक्षिप्ततः उल्लेख कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पर **100-100 शब्दों** में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) द्वैध प्रभाव का सिद्धान्त (Doctrine of Double effect) 4

आ) मध्यवर्ती मनुष्यकेन्द्रित विचार (moderate anthropocentricism) 4

इ) प्रतिबिम्बित नैतिकता (reflective morality) 4

ई) कोर्पोरेट प्रशासन में व्यावसायिक नैतिकता की भूमिका 4

उ) संसक्ततावाद (coherentialism) 4

ऊ) आत्महत्या पर उपयोगितावादी स्थिति 4

ए) डिजिटल डिवाइड 4

ऐ) तकनीकि सम्बन्धी उत्साह (Technological Enthuasism) 4